र्ने०२ भन्न भन्न मृद्य इए १ मन्द्र कर । भन्न प्राप्त कर । असे प्राप्त कर भाउं इलभी श्रमान भिक्क्यी दीवी मिवंगेइ नम्ली थिड भहं न्यी सुमान अन भाली है है भिर्व गर्यं यल विक नले मह यिश यानि के भए।। गंड ९ रंड मुड्ड इह गि भड़चे बल विक रही भी नमः॥० भाउं। इलमी सुमान भिन्न स्मी इंदी मिवने इ म्यूली दिएउ भहं भन्गी हमन हारी वनी इकुं मिनगेर्यं बल रम बहुं मत् येरायमिनिषण्यारं ३ इं विष्ट उद्याप थउच रलप्म बर्हे भूण नभः ११९॥ भाउं। इलभी हामान सिक्स लक्षी है वे मिविगेर नर्ली हित्रप्रिक्ष भंदी रामी यमन पम्न निव्येशया भच कुउ रम हं मद् येराया भिर्वाधारी। १३९ भः मिय उस्रिय भड़ेय भड़ाइ सम्हिस्य नमः॥ उ॥ स्राः श्रींशा हमस्य स्वाधित्रंशा भड़ भिज्ञ भड़े इत्सी प्रमान भित्र रुक्षी हमी स्रमन भनी बर्गे मिवगैर महली वल विक ने एउं मं मंगु भए न्मः ० भाट रापक मही इलभी शिभन्न स्त्री न भन्मी शृहली वानी पत्री मिनगर्मर्ग कल्यमबद्धि-एउस् मह्म भएनमः= 9=

मृत्यु भण्यत् नं र भार बोद रिप्र महिं (इस भी मु सिर्ल्यी रणवी प्रमानी रहे मिव नेई नर् ली भव 55 रमही १० उस् मह अया न भी देश भाउः अनभी शामक लक्षी दे हो भवने इ महानि भावद्रभाविक भाषिल काला भव सर् उपंड महा भणना । ११ रेंचकिय वित्रप्रथा वल विक्रम्थं: हमा। भन्न मुद्रायान भिन्न विस्या । अन प्रमावन हा । या असे प्रपादिन भच हुउ राम नुः हा गः प्रमा असे प्रपादिन प्रमान । प्रमान असे प्रमान । प्रम 14य विषय मण्डं इनमीष्ट्र भिन् लुक्की इंदीमिव मेर्ड इस्ली विषड्महं इसी म् अनमाती इन् मिवम् रायां वलविक्राक्ष भिन्ने येरण यामि वेषा रें 3 डिमुद्र उद्दरिव पड्य वन विक् वल् भण नमः॥ डिम्पिधुड है। मर्जवर लिखिं।। भरु भिरा भही छनभी मुभन भिर्ना म्पिष्मनमनी देवीं मिवमेर मुस्ली बनविक्रियों भवद्गीकी मिन्द्रकान्य मिनम्द्र एयवं भिद्धः भाषान्यः मुप्पप्तम् भाउ भिड़ भही हं इनसी म् सिक्नुसी म्पीयुभनभानी द्रवीष्ट्रं मिव मेश्ष्ट्रं ५५ न्य बनाविक गणी द्रं भंग्यद्र विक भिन्द्र कर न्यामिव मुद्दे भमाना हर्ने गत्र भण नमः॥ भारतं उत्तमी श्र भिन्न स्त्री मिन्नेरं न् कं भी द्रोपड भरं भन्मी मु क्लावानी एक मिव गेर्यं वल प्रसम्मां पेल याभिक्षे भए १३३ इं विष्ठ उर्व विषय विस्तर्व वल सम्बर्ध भणन्यः

नेन्य विमिश्च हो। महायुड तिर्विश महापर भनी प्राप्त महीतर उल्मी रूभान कि फल्की म्यी मुस्तभानी अर्गी मु हारीवा नी द्रष्टा मियमेरः नद्र भी नविका भी नल रमषरः मंग्वर्गिकी भाग के काल मिवस्ति एधयः भिर्द्रः भुण नमः न्य ७ यम् मा। मन् प्रम् भार विक्रमही रिप्डामही है: इनमी यु मिर्त ही = नपीय भनभारी रसन्ति यह कामी वन्ती क्रवेष्टः मिवमेर्ष्टः पर्णी वनविक्रमीहः रनध्य वनीकः भेवद्गीकीभागेन्द्रका मिय म्राष्ट्र भागल कर्ने गत् भण नभः॥ वित्र मा भ्रम् अभिन्ने भाउं अलभीय भिम्लामी रवी मिवलें र नर् नी चेमू प्राप्रुमिं रायीय पमानी रेवुं मिवरीर् या भचकुउदमरं भिन्ने चिरणयामि वेंगा एकी १३ १३१३९ भः मिव उद्घारिय उद्य भच कुउरम रे भणनाः मिम्उर्वि मर्यवर्ग रिवृंग भण्डियडामडी प्रिडामडी ये दूरियडामहाः उनमीस्मियुसी स्मी म्पीद भनभाती असिमाडी भन्ती ए हमी वानी श्यीय पम्नी देवः मिवगैर् नर्भी = चलिक म्थी वत्रभवनी भवषुर्भागः भंगवद्वित्वीभिषे मुक्राल मिवम्द्र लववः नि भुः भुणनमः म्याप्य न्यु हा। ३ गर्भम् उपारी हर्षाहेश वित्रभयुमिन् विभागते प्रीम्पनं भव्यन वित्र पक्ष र्नम निर्मा निर् मङ गिउमडी प्रिङ्मडी र्इ प्रिङ्मही है: उनमीए भिर्वकी प्रथिश्वनभानी स्त्रीष्टकार्गवानी राषीय पम्नी इन्हें। मिवगेर्डः मर्ली वलविकाल यनभमवनी मचकुउरमनी हः भग्वद्वारिकीभिष्युद्वाल भिवस्ति भमान हरंगत् भणन्मः ॥ १२वे मद्दाः भणपुष् गुरु प्रमण प्रवेभण ठम् ठिए इन अन दिन मन मिन् १९ मणनं मीरपनं मयपनं विलेक् उरद्गाल विभेश्वाना डेंड 4夏中村山

महार अन्ति हे ति हैं हैं जिसके के महामें के के कि महामें के कि महामें के कि

CE QUITE TO THE PROPERTY OF TH

० ५ भार भार प्रति हा सम्य वहा १ महिर्का की भाउं रिक्टिनी मुमान रायभानी मंदी गिउमें मिल्गें करां भिडाभेट अभी हा भामाली इ वं भिडिंगु मिर्गेश्यं अलिकः १९०० मत् चेरल सि विषय १। मृंडे ९ छिमुड्न इङ् विपड्य यल विक क्रि भग तभः भारते विक्रम्नी मु स्वामानी में वी मिर्ड में मिव में में मु ली प्रियाम् महा मुसी मु यमानी महं मिविनेह ये अलाममंह मही चिया यापि विष्यम्। गृउं इं विक् उद्यापिय उच्च नलप्र मिंगी महै भाग नमः 19-४०४ भड़ के रिल्य करानी हु शारा भारती हो वी मिद्राहर की र्धित भूपिड भट्टा हिनी ग्रमन हिनी र्ह्हों मिवन इयं भवड़ुड ममनं मन् चर्याभनि छा ११ गृउं ९ भः भिवड्र छि । उच भच कुउ र मर्ने भूष नमः दुरा सुपः स्रीरेश हरावडः मंद्रु दे हगाविति मंगु भण्ड पिडाभिं विक्रिक्टनीम् रायभानी। मुसी प्रमान शमानी रेही मिर्विग्र पर्नी नल कार्ड विक्राली गडम् मंद्र भ्रणन्मः। भार प्रिय अभिने हिन्द करनी ह राय भानी - ज्या मानी रही मिवगेर् पर्भी वल भूम मही एउड़े महे भए नमा।

Shirt . भार बीचू प्रभित्र भिन्ने विक्ठएनी मुमारायभाली हिनी मुमाहनी रही भिवति र्यु भी भव हुउर्मिन् एउन् मंग्रे भणन्मः॥३ भाउ: लिक हटनी शुभन क्षायभाली के मिनमें मद्दाल भागन सिपाली करला मिन एड रु में उ महे भग निय इंग्किन्ड छेत्रम् ॥ भिन्न विस्त्र निविद्य कार भाषा कृत्यः अल प्रभवनुष्ठाः भच कुउरमनुष्ठाः भाउं विद्राहित्वभागती कैंदी मिवित्रें पर्ली-पिउ महें द्रारी मु भामती रखुं मिन भेर्यं वल विकार्ण पिन्द्र येरा याभि चित्रा मी छि मुद्र उद्ग विथउच वलविक ग्री भणनाः॥ हि म्रिनि मुद्र के महरव लेखें - मण्डिपडण्में लिक्कलनी मुरायमानी दुर्मी मुभागनी इसी मिवनिड् मम्ली कल विक्रिक्ली भमान भीपान काल मिवस्ट्री रिमर्ने पिन्द्रे म्यानमः=म्पर्यम्॥ मत्र भ्रम्॥ भन्न प्रमित्र भिन्न भनीकृ क्रिक्ट नीष्ठ्रणय भारती इसीय समानी द्वीके मिवन इंड पर्ना मल विद्वा हो अमन भिष्तु क्वल मिवस्य अमलक्ष्मान भिक्तमः = १०वं म्य सक्ताः ध्रमे भक्तमः ११०॥ भाउं छिक्ठ व्यनी मुरायमानी इं वी मिन्गेंड नड़ां रिपडा महा जरू यम् नी उन्। मिनगेर्यं नलप्रम बन् पिल् यें रायामिनिषट १६९ के विष्टा उस निपाउस निमान में वर्षे भारत में ११ 光明里多。理罗·法俄沙川

पिन्द्रियम्य नं अन भार पिडामदी प्रापडा भद्धः हिक्ठल नी राग्य माली द्वारी भागती उसी थमानी महा मिवगहा: मदाली चल विकाली चल प्रमम्ह भागनभिष्तुं काल भिवम्कि एथवाः पिलुः भगनाः म्योग्यम्पुम् मंत्रुप्यों भार पिडण्मही पूर्ट लमडी हुः लिक्डलनी शायमानी क्रमीय भागली के दियमानी स्वीटः मिर्गेर्ष्टः र्युक्ती वल विद्याली है: वल प्रम मनी है: भागन भिन्द्र करला मिवस्य भागता ठनं गन् स्ट नमः भाउर रिक् हानी श्यामली श्रीवीमिवनें ममुली चार्प्रापड महिं हिनी एकिनी दं मिर्वोर्यं भचकु ममनं भिन्ने येरायाभि निष्धा एकी 23 239 भः मिन उङ्गिय उच भच १ उरमेन भण न भः मिष्डिक विक्रमहर ने रिवृं = भन्न भिरामही प्रिष्ड भही राष्ट्रभद्रः - रिक्ठ ए नी म्र भामि इसी एपम नी हिनी दहनी मिनिग्दाः म्यूली कलाबकाली वलप्रममनी भचकुउद्यम् अभागमापित्रकाली निविष्ठे विस्वः पितुः भुक् निभः म्याप्य-१। ३ वर्भानिभक्नाः वीर्म्नभक्नाः निष्न गर्ने भम् प्रयती हमारेष्ट्र दिमपनं भीत्रयानं मञ्चयने विलेखं उरके उर्दे

लेड्रम् नम भार ग्रेडमही रापडणमही बर्स्सपडणमही छड़ क्रिक्टनी द्रश्म्य मात्री असीद समात्री असीद पमानी हेनीद हेनी रे बुद्धः मिवर्गर्छः मर्णी वल विद्याली रालप्राधनी भचकुउ रमनीष्टः समन सापल द्रामी ने ये समालहने गन् भणनाः वित्र मान्य भाषा भाषा प्राथमा अस्ति के क्या केट्ट १देम पर की मा । उने उरकाउद्गारमं १ भन्न मार्थ

मृत्यु भग्रम्य इल मस्य इल गर्ने प्रकाउँ हैं: भड़ां भड़ी द सनभनी इवी (मड्यं) मिनगर्न रम्नी 9 पिडमहं इनी द भाषी हैं वी महया मिवगैर यं वत विक गर्ण महाया यानि या सामा एउं ३ हे सह इड ि भड्यं बल विद्रः भणनमः ॥ ० भाउं भड़ी य अन्मानी यवं (मह्यं ) मिर्गेर् पूर् दिश्र भट्टं इनीय भाषी इनी (महर्यं) मिवगेर्यं र ल रमबर्ट मन् चरण यामि वे थए एउँ ९ इं विष्ट उद्गिधउये बन्धमयने भणन्मः 11911=॥ भण्डां भड़ी ए अन्मनी इवंशे (मह्यं) मिन्ने निक्तं चेत्रशिक्ष मही महा महा भन्नी पर्यो विवर्गेर्यं भव ५५ रमहं मुद्य येल यामि के भए। एउ ९ भः मिव इइ ि पर्य भन् इउर भने भणनमः॥३)) गुभः प्री गेंग हम बढ़े: महें। 9) का हमवित महे।। भार पिड़ मही भड़ी हैं मनभानी धेमी है तकी रे हे महिंग । भार मार भार मही भार नमः । भार प्राप्रियम् भड़ी है भन्मा ही उनी है भाषी के ही (मह्म) मिवतिर्देशम्ली वलप्रमान्द्राण्डम् मही भए नमः ११९))

भड़ भड़बाद्यांपेड मही मुड्ड पद्मी स मुड्ड पद्मी र है (महर्प) भिवते इ मद्दा भचकुउद्दम् । एउस् मद्दे भए नमः ३॥ भागः भड़ी य भनमानी द्रह्ये महिंदों) भिवते इ मद्दानि मंबद्वीकी मिष्तु का ना साम्य द देउँ महे भूण नमः॥ द्वें कि विद्या विद्या कि जनविक्राक्षः क्राः ममुद्रा दूर में प्राची वन प्रमबन्छगः प्रश्वपितं पर्न रितं भन् कुउरमनुष्माः यहनेन विश्व नहाँ भी भाउरे भड़ीय अन्म ली देवी मिन गेरं गम ने पिडामही थेमीय नकी रहां मिनगर्यं वन विक वर्ष भिन्द्रयेश क्रा विषय एउँ हैं सुद्ध इक्षिय इसे वल विक म्ह्ये भूण नारा। हैं नियम्ड है विषम्त्री – महत्त्वर्श निविष्टं = महिष्ण मही भरीय अनमानीय येगीय नकी र की मिवर्गे इन र नी वल विक म्से भवर विकी भिष्टिकाल मिन स्ट्राण विषेत्रः भाग नमः सम्प्यम् ॥॥ गर्भम्॥ भर्भा भर्भा भर्भा ।। भर् थेमीय तकी रवी दें मिक्तेर हैं रहां भी वल विक्र कारि मेन्बर्भावकी भाषान्त्रं काली सिवस्ति भागत हुने गत्न भागतभः ल्वं मञ्जू नक अयो अण नमः ॥।।।।

भागां भागी स धनमानी र वं मिव में दें नहां भी प्रिक्ष भर्छ ।। उनी ह भाषी दे हुं मिन गेर्यां वन प्रमहर पिने प्राणामि विषय १३ं९) इं विष्टु उद्दर्शि पर्य चलप्रम वह भणनमः मित्रिक्षाउँ॥ मनुज्या ने रहं॥ भन् विक भनी प्रिज्ञ भन् : भाउरि स्वापनी पेमी की उपनी श्रुपी देश मिर्वेगरः 55 ली उलिका न्यावनः मंबद्धिकी भिष्ते काल मिवस्ट्राण्यवः येन्द्रः भणन्मः मपरपयुमाशा गर्नेप्रम् भर्षियः भरी द्रियम भर्म द्रामा द्रियम भर्म भर्म भर्म य नकी इनीय भाषी हैं हुंहः मिवनेश हः नम्ली वतिक नली हैं बत र्मावनी हैं भंग्रा की मिल के कार्ल मिक्सिय समल हर्ने मन् महा नमः॥ वित्र महाभणनमः प्रम्भणनमः अपन मण्डं भडी मुस्तमानी भी वी मिर्वगेरं नद् ली ब इपिया महं यह पन्नी य उपर्या च वह मिन गेर्यं भन्त उरमरं पिल् यस यामि वे वार्ग निवी १३) १३) भः मिव इक् वि पर्य मन अउद्यन् भणनमः॥ मिन्रिष्टं है वित्र। महत्रवा सिर्वे है। मण्ड पिउमही पुरिष्ठ मही ब्रिड्यांप्र महः॥ सडी श्र भनभानी पेमीयुगन नकी इनी श्रमापी मुख्यद्गी हमन मुद्रपद्गी पर् मिवमैर्ः नद्राली वलविकाली वल ध्रम वनी भन्न कुउर भर्ः भंगक्रिक भिष्ते क्रान्निमित मेरे लिया पिष्ठ भाग नमः मध्डेपे सुष्टा र

वाभंभि अक्रवमः॥ वीम्बंभुक्रवमः। विषिवम्बर्गः गर्भा मह रेपड मही प्रिड मही यह प्रिय मही है। मडी किनमंन पेमीय राजी इनीय भाषी मुख्यीय मुख्या मिना में हैं? जिन्द्रभी बनाविकाली बन्नप्रमही भाग कुउरमनी दें में बद्भारे जै कि मां भी का लिय महिमार समा है। जिसे मा माने महामा का कि महामा का कि महामा का कि महामा के महाम के महामा के महाम का म्शियन मान्यान वित्रेय उद्योष्ट्री ले हिंग १ ज्या है भड़न नमार भार महित्र में के प्राप्त महित्र विकेति हैं। भारतं भड़ीस अनमानी द्वां मियमें इं महाली पिडामहा मियमें इं या से बन विक् रेंटी मम्बर विस्पाया मि जी अह । येंडे हैं हिरी सी पान अपा रड़े तियम मुगि विभवे मुक्क उद्गि पडिय वन विक वर्षे अछ नम १०) नाई मडां भड़ी य मनमनी देवां विविगाई हैंड भी प्रायह मह इनी र्श्व नामी रहा मिय ने स्या मर ममय विसाधारी विषए १३९ दं विस् उद्देश विष्ठिय वहां प्रमान भूका नार १९११ निमार्ग भरीय अनमानी दिन्न मिवर्गरं न्या जी बाह्य प्रश्रिय महें अप्रदेगदी य प्रहर भद्दी देश मिन भेड़ या भन्न प्रत्र प्रमाय विला या विषय १३९ मः विवयम् । चिययम् । विवयम् । विवयम्यम् । विवयम् । विवयम्यमः । विवयम् । विवयम्यमः । विवयम् र्थः भं बद्धाः सहार्यन्ति । ।। र्थः भं बद्धाः कि भिषित्रकान्य मिवस्ति यद्वानि मिवने द्विः दङ्ग्यी वनश्यवन् । भारे प्रिक्षां महः भारी युभनमनी इत्तीय भाषी यद्वी मिवने द्विः दङ्ग्यी वनश्यवन् । भवद्धाः के भाषान्त्र वर्ष्णाः विवादाः देशस्त्र भाषाने भाषान् ।

भा ३: भत्री य भनभानी दे हैं मह ये